



The Savvy Humanities

SIMPLIFYING MINDS, SHAPING THINKERS

CLASS 12 · CBSE 2026-27 SYLLABUS

Complete subject

हिंदी (आधार)

Hindi Core (302) — अपठित बोध, अभिव्यक्ति और माध्यम, आरोह भाग 2, वितान भाग 2

178

pages of notes

25

chapters, three sections

156

board-pattern questions solved

80 / 80

theory marks covered

What's inside

- खंड क: अपठित गद्यांश और पद्यांश
- खंड ख: रचनात्मक लेखन और पाँच पाठ
- आरोह भाग 2: 9 काव्य पाठ, 6 गद्य पाठ
- वितान भाग 2: तीनों पाठ
- सार, भावार्थ, प्रतिपाद्य, काव्य-सौंदर्य
- CBSE प्रतिदर्श प्रश्नपत्र 2026-27 हल सहित
- शब्दावली — 175 शब्द
- प्रश्न-बैंक — 156 आदर्श उत्तर

Aditi Ojha (Savvy Ma'am)

Founder & Educator, The Savvy Humanities. A high scorer in the CBSE Class 12 boards and then in CUET, which earned her a seat in a North Campus college of the University of Delhi. Teaching Humanities on YouTube since 2023. Her YouTube classes are in Psychology, Sociology and Political Science.

Handwritten-style, in Hindi

Every page inside is in Hindi, handwritten-style with highlighting, boxes and a mind map — built to be read the night before, not skimmed.



विषय-सूची

CBSE का कक्षा 12 का हिंदी (आधार) पाठ्यक्रम (विषय कोड 302), 2026-27 के 80 अंक के प्रश्नपत्र के लिए: अपठित बोध, 'अभिव्यक्ति और माध्यम' के निर्धारित पाठ और रचनात्मक लेखन, तथा 'आरोह भाग 2' और 'वितान भाग 2' का हर निर्धारित पाठ — पच्चीस अध्याय, CBSE के प्रश्नपत्र के क्रम में।

अध्याय	शीर्षक	अंक या खंड	पृष्ठ
खंड क — अपठित बोध (18 अंक)			
1	अपठित बोध: गद्यांश और पद्यांश	18	6
खंड ख — अभिव्यक्ति और माध्यम (22 अंक)			
रचनात्मक लेखन — 6 अंक			
2	रचनात्मक लेखन	6	12
पाठ संख्या 3, 4, 5, 11, 12 तथा 13 — 16 अंक			
3	विभिन्न माध्यमों के लिए लेखन	पाठ 3	17
4	पत्रकारीय लेखन के विभिन्न रूप और लेखन प्रक्रिया	पाठ 4	23
5	विशेष लेखन-स्वरूप और प्रकार	पाठ 5	30
6	कैसे करें कहानी का नाट्य रूपांतरण	पाठ 11	35
7	कैसे बनता है रेडियो नाटक	पाठ 12	40
खंड ग — आरोह भाग 2 और वितान भाग 2 (40 अंक)			
आरोह, काव्य खंड — 15 अंक			
8	आत्मपरिचय; एक गीत — हरिवंश राय बच्चन	काव्य	46
9	पतंग — आलोक धन्वा	काव्य	51
10	कविता के बहाने; बात सीधी थी पर — कुँवर नारायण	काव्य	55
11	कैमरे में बंद अपाहिज — रघुवीर सहाय	काव्य	60
12	उषा — शमशेर बहादुर सिंह	काव्य	64
13	बादल राग — सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	काव्य	68
14	कवितावली (उत्तर कांड से); लक्ष्मण-मूर्छा और राम का विलाप — तुलसीदास	काव्य	73
15	रुबाइयाँ — फ़िराक़ गोरखपुरी	काव्य	78
16	छोटा मेरा खेत; बगुलों के पंख — उमाशंकर जोशी	काव्य	82
आरोह, गद्य खंड — 15 अंक			
17	भक्तिन — महादेवी वर्मा	गद्य	86
18	बाज़ार दर्शन — जैनेंद्र कुमार	गद्य	91
19	काले मेघा पानी दे — धर्मवीर भारती	गद्य	96
20	पहलवान की ढोलक — फणीश्वर नाथ रेणु	गद्य	101
21	शिरीष के फूल — हजारी प्रसाद द्विवेदी	गद्य	106
22	श्रम विभाजन और जाति-प्रथा; मेरी कल्पना का आदर्श समाज — बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर	गद्य	111
वितान — 10 अंक			
23	सिल्वर वैंडिंग — मनोहर श्याम जोशी	वितान	116
24	जूझ — आनंद यादव	वितान	121
25	अतीत में दबे पाँव — ओम थानवी	वितान	126
मेरा हिंदी (आधार) ट्रैकर — सभी पच्चीस अध्याय एक जगह			
शब्दावली — 175 शब्द, अध्याय की संख्या के साथ			131
प्रश्न-बैंक — 156 हल किए हुए प्रश्न, अध्याय के क्रम में			136



खंड क · अपठित बोध — 80 में से 18 अंक

अध्याय 1

अपठित बोध: गद्यांश और पद्यांश

इस अध्याय से पेपर क्या चाहता है

बोर्ड के 80 अंक के पेपर में खंड क — अपठित बोध 18 अंक का है। लगभग 250 शब्दों के एक अपठित गद्यांश पर 10 अंक के सात प्रश्न और लगभग 100 शब्दों के एक अपठित पद्यांश पर 8 अंक के छह प्रश्न आते हैं; कोई विकल्प नहीं मिलता। पढ़ने की विधि, कथन-कारण जैसे बहुविकल्पीय प्रश्न और दो अंक का उत्तर अपने शब्दों में लिखने का अभ्यास कीजिए। दो गद्यांश और दो पद्यांश पुस्तक के अंत में प्रश्न-बैंक में हल किए गए हैं।

इस अध्याय में नहीं है। इस अध्याय के पीछे NCERT का कोई पाठ नहीं है; यह CBSE के ढाँचे से पढ़ने का कौशल सिखाता है। CBSE के 2026-27 के प्रतिदर्श प्रश्नपत्र का गद्यांश (पोषण और आहार) और पद्यांश (समानता और विविधता) दूसरों की रचनाएँ हैं, इसलिए यहाँ न छापे गए हैं, न हल किए गए। चारों अंश इन्हीं नोट्स के लिए लिखे गए हैं।

अध्याय एक नज़र में — माइंड मैप

पेपर का ढाँचा

- गद्यांश 10 अंक
- पद्यांश 8 अंक
- 13 प्रश्न, सभी अनिवार्य

प्रश्नों के प्रकार

- विषय और तथ्य
- कथन-कारण
- कथनों की जाँच
- शब्द का आशय

दो अंक का उत्तर

- दो बिंदु
- दो-तीन वाक्य
- अपने शब्द

गद्यांश की विधि

- पहले प्रश्न
- सरसरी नज़र
- रेखांकन
- अंत में जाँच

पद्यांश

- भाव और स्वर
- प्रतीक और बिंब
- कवि का संदेश
- काव्य-सौंदर्य

आम गलतियाँ

- पंक्तियाँ उतारना
- बाहरी जानकारी जोड़ना
- अधूरा उत्तर

यह अध्याय पेपर में कहाँ है

बोर्ड के 80 अंक के पेपर में खंड क — अपठित बोध 18 अंक का है। अपठित वह गद्यांश या पद्यांश है जो पाठ्यपुस्तक में नहीं है और जिसे आप परीक्षा में पहली बार पढ़ते हैं। यहाँ स्मरण नहीं, समझकर पढ़ना परखा जाता है; हर उत्तर छपे हुए अंश के



भीतर ही हैं।

अंक

गद्यांश 10 अंक का और पद्यांश 8 अंक का है। कुल 13 प्रश्न हैं, जो प्रश्नपत्र में प्रश्न 1 के सात और प्रश्न 2 के छह भाग बनकर आते हैं; सभी अनिवार्य हैं, कोई विकल्प नहीं मिलता।

परीक्षा के लिए

बहुविकल्पीय प्रश्न में विकल्प का अक्षर और पूरा विकल्प, दोनों लिखिए। CBSE की अंक-योजना में वर्णनात्मक उत्तर के बिंदु संकेत मात्र हैं; भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर पर भी अंक मिलते हैं।

1. पेपर क्या पूछता है

प्रश्न का प्रकार	अपठित गद्यांश (लगभग 250 शब्द)	अपठित पद्यांश (लगभग 100 शब्द)
बहुविकल्पीय, 1 अंक	3 प्रश्न, 3 अंक	3 प्रश्न, 3 अंक
अतिलघूत्तरात्मक, 1 अंक	1 प्रश्न, 1 अंक	1 प्रश्न, 1 अंक
लघूत्तरात्मक, 2 अंक	3 प्रश्न, 6 अंक	2 प्रश्न, 4 अंक
कुल	7 प्रश्न, 10 अंक	6 प्रश्न, 8 अंक

CBSE के 2026-27 के प्रतिदर्श प्रश्नपत्र के बहुविकल्पीय प्रश्न तीन ढंग के हैं: सीधा प्रश्न, कथन-कारण और कई कथनों में से सही चुनना। एक अंक का अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न अनुमान भी माँग सकता है, जैसे "... ने ऐसा क्यों सोचा होगा?"

2. गद्यांश पढ़ने की विधि

- पहले प्रश्न पढ़िए।** विकल्प छोड़कर सातों प्रश्न देखिए; पता चल जाएगा कि क्या ढूँढ़ना है।
- सरसरी नज़र डालिए।** एक मिनट में पूरा गद्यांश पढ़कर उसका विषय पकड़िए।
- ध्यान से पढ़िए और रेखांकन कीजिए।** हर अनुच्छेद का मुख्य वाक्य, प्रश्नों में आए शब्द और "क्योंकि", "इसलिए", "किंतु" रेखांकित कीजिए।
- उत्तर गद्यांश से ही दीजिए।** हर उत्तर के लिए वह पंक्ति पहचानिए जो उसे सिद्ध करती है; अपनी राय तभी लिखिए जब प्रश्न माँगे।
- अंत में जाँचिए।** प्रश्न का क्रमांक, वर्तनी और पूर्ण विराम देखिए; कोई भाग छूटा न हो।

समय की यह योजना सुझाव है, CBSE का नियम नहीं।

काम	गद्यांश (20 मिनट)	पद्यांश (15 मिनट)
प्रश्न और अंश पढ़ना	7 मिनट	5 मिनट
उत्तर लिखना	11 मिनट	8 मिनट
जाँच	2 मिनट	2 मिनट

3. प्रश्नों के प्रकार और उत्तर का तरीका

प्रकार	क्या परखा जाता है	उत्तर कैसे खोजें	यह गलती न करें
विषय या केंद्रीय भाव	पूरे अंश की मुख्य बात	पहला और अंतिम अनुच्छेद मिलाइए; जो बात बार-बार लौटे, वही विषय है	एक अनुच्छेद को पूरा विषय मान लेना
तथ्य	अंश में लिखी कोई बात	प्रश्न का मुख्य शब्द अंश में ढूँढ़कर आसपास का वाक्य पढ़िए	स्मरण से उत्तर देना



प्रकार	क्या परखा जाता है	उत्तर कैसे खोजें	यह गलती न करें
कथन-कारण	दो बातों की सत्यता और संबंध	दोनों को अलग-अलग जाँचिए; फिर बीच में "क्योंकि" रखकर पढ़िए	दोनों के सही होते ही कारण को व्याख्या मान लेना
तीन-चार कथनों में से सही चुनना	बारीकी से पढ़ना	हर कथन पर सही या गलत का निशान लगाकर विकल्प देखिए	एक-दो कथन जाँचकर विकल्प चुन लेना
शब्द या वाक्यांश का आशय	संदर्भ से अर्थ निकालना	शब्द की जगह हर विकल्प रखकर वाक्य पढ़िए	संदर्भ देखे बिना सामान्य अर्थ चुनना
अतिलघूत्तरात्मक, 1 अंक	एक सटीक बात	एक शब्द, वाक्यांश या एक वाक्य लिखिए	अनुच्छेद लिख देना
लघूत्तरात्मक, 2 अंक	बात को अपने शब्दों में कहना	दो बिंदु, दो-तीन वाक्य (भाग 5)	अंश की पंक्तियाँ उतार देना

कथन-कारण के चार विकल्प

विकल्प	कब चुनें
(क) कथन सही है और कारण गलत है	कारण की बात अंश में नहीं है या उसके उलट है
(ख) कथन गलत है और कारण सही है	कथन की बात अंश के उलट है
(ग) दोनों सही हैं, किंतु कारण कथन की व्याख्या नहीं करता	दोनों बातें अंश में हैं, पर एक से दूसरी नहीं निकलती
(घ) दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या करता है	"कथन, क्योंकि कारण" पढ़ने पर अर्थ ठीक बैठता है

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र में विकल्प इसी क्रम में हैं; पेपर में क्रम बदल सकता है, इसलिए चारों पढ़िए।

हल किया हुआ उदाहरण

(1) बादलों में बिजली चमकती है और उसी क्षण गरज भी पैदा होती है। फिर भी हमें चमक पहले दिखती है और गरज कुछ देर बाद सुनाई देती है। कारण यह है कि प्रकाश की चाल ध्वनि की चाल से बहुत अधिक है। प्रकाश हम तक लगभग तुरंत पहुँच जाता है, जबकि ध्वनि को समय लगता है। इसलिए चमक और गरज के बीच का अंतर जितना अधिक हो, बिजली उतनी ही दूर चमकी होती है।

प्रश्न	उत्तर	कारण
(i) तथ्य। चमक पहले क्यों दिखती है? (क) वह पहले पैदा होती है (ख) बादल ध्वनि को रोकते हैं (ग) प्रकाश की चाल ध्वनि से अधिक है (घ) आँखें कानों से तेज़ हैं	(ग) प्रकाश की चाल ध्वनि से अधिक है	तीसरा वाक्य यही कहता है
(ii) कथन-कारण। कथन: चमक और गरज अलग-अलग समय पर पैदा होती है। कारण: ध्वनि को हम तक पहुँचने में प्रकाश से अधिक समय लगता है।	(ख) कथन गलत है और कारण सही है	पहले वाक्य में दोनों एक ही क्षण पैदा होती हैं; कारण चौथे वाक्य में है
(iii) अतिलघूत्तरात्मक। चमक और गरज के बीच अंतर अधिक हो तो क्या समझें?	बिजली बहुत दूर चमकी है।	अंतिम वाक्य

4. पद्यांश कैसे पढ़ें

कविता कम शब्दों में, संकेत और चित्र से बात कहती है। इसलिए पद्यांश दो बार पढ़िए: पहली बार उसका स्वर पकड़ने के लिए (आशा, पीड़ा, व्यंग्य या प्रश्न), दूसरी बार हर बंद का सीधा अर्थ मन में एक वाक्य में बनाते हुए। फिर प्रतीक खोजिए, यानी वह वस्तु जो किसी और बात का संकेत करे, और बिंब, यानी शब्दों से बना ऐसा चित्र जो देखा, सुना या छुआ जा सके। कवि का संदेश प्रायः अंतिम बंद में खुलता है।



पद्यांश पर प्रश्न	उत्तर कैसे दें
कथनों पर विचार	हर कथन को कविता की पंक्ति से मिलाइए; जो उसके उलट हो, उसे काट दीजिए
शब्द का आशय, प्रतीक	पहले सीधा अर्थ, फिर यह कि वह किस बात का संकेत है
"कविता के आधार पर लिखिए कि ..."	कविता की दो बातें अपने गद्य में लिखिए; पंक्तियाँ मत उतारिए
"कविता हमें क्या संदेश देती है?"	पूरी कविता की सीख, किसी एक पंक्ति का अर्थ नहीं
काव्य-साँदर्य	सरल भाषा, चित्रात्मकता और अलंकार; कविता के शब्द के प्रमाण के साथ

अलंकार तभी, जब साफ़ दिखे

अनुप्रास — एक ही वर्ण का बार-बार आना। **उपमा** — "सा", "जैसा" या "की तरह" से तुलना। **रूपक** — एक वस्तु को सीधे दूसरी कह देना। **मानवीकरण** — प्रकृति या निर्जीव वस्तु का मनुष्य जैसा व्यवहार।

5. दो अंक का उत्तर

दो अंक का अर्थ है **दो बिंदु**; CBSE की अंक-योजना भी ऐसे उत्तर के प्रायः दो-तीन बिंदु गिनाती है। दो-तीन वाक्य अपने शब्दों में लिखिए; 30 से 45 शब्द काफी हैं (CBSE ने शब्द-सीमा नहीं दी है)।

वाक्य	क्या लिखें
पहला	प्रश्न का सीधा उत्तर, यानी पहला बिंदु
दूसरा	दूसरा बिंदु या कारण; "साथ ही" या "इसलिए" से जोड़िए
तीसरा, वरुण हो तो	परिणाम या उदाहरण, जो अंश में ही हो

आदर्श उत्तर

प्रश्न: भाग 3 के गद्यांश के अनुसार गरज चमक के बाद क्यों सुनाई देती है? (2 अंक)

उत्तर: चमक और गरज एक ही क्षण पैदा होती है, पर प्रकाश ध्वनि से कहीं तेज़ चलता है। इसलिए रोशनी हम तक तुरंत आ जाती है, जबकि आवाज़ को पहुँचने में कुछ समय लग जाता है।

अंक कहाँ मिले: पहला बिंदु — प्रकाश की चाल अधिक है; दूसरा — ध्वनि देर से पहुँचती है।

6. आम गलतियाँ

गलती	सही तरीका
अंश की पंक्तियाँ ज्यों की त्यों उतारना	बात वही रखिए, वाक्य अपने बनाइए
बहुविकल्पीय में केवल अक्षर लिखना	अक्षर के साथ पूरा विकल्प लिखिए
दो बातें पूछने वाले प्रश्न की एक ही बात लिखना	"क्या" और "क्यों" दोनों का उत्तर दीजिए
अपनी जानकारी या राय जोड़ना	वही लिखिए जो अंश से सिद्ध हो
कविता में अलंकार का अनुमान लगाना	वही अलंकार लिखिए जो साफ़ दिखे

एक नज़र में

बिंदु	क्या लिखें
खंड क	18 अंक: गद्यांश 10, पद्यांश 8; कोई विकल्प नहीं
गद्यांश के प्रश्न	3 बहुविकल्पीय, 1 अतिलघूत्तरात्मक, 3 लघूत्तरात्मक
पद्यांश के प्रश्न	3 बहुविकल्पीय, 1 अतिलघूत्तरात्मक, 2 लघूत्तरात्मक



बिंदु	क्या लिखें
कथन-कारण	दोनों की अलग-अलग जाँच, फिर "क्योंकि" की कसौटी
एक अंक का उत्तर	एक शब्द, वाक्यांश या एक वाक्य
दो अंक का उत्तर	दो बिंदु, दो-तीन वाक्य, अपने शब्द

एक पंक्ति के उत्तर

- खंड क कितने अंक का है? **18 अंक का।**
- अपठित गद्यांश लगभग कितने शब्दों का होता है? **लगभग 250 शब्दों का।**
- अपठित पद्यांश पर कितने प्रश्न आते हैं? **छह प्रश्न, 8 अंक के।**
- क्या खंड क में कोई विकल्प मिलता है? **नहीं, सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।**
- कथन और कारण दोनों सही हों तो आगे क्या जाँचें? **कारण, कथन की व्याख्या करता है या नहीं।**
- दो अंक के उत्तर में कितने बिंदु चाहिए? **दो।**

सार

- खंड क 18 अंक का है: गद्यांश 10 अंक, पद्यांश 8 अंक; सभी 13 प्रश्न अनिवार्य हैं।
- पहले प्रश्न पढ़िए, फिर अंश दो बार; हर उत्तर अंश की किसी पंक्ति से सिद्ध हो।
- एक अंक पर एक सटीक बात, दो अंक पर अपने शब्दों में दो बिंदु; कविता में भाव, प्रतीक और संदेश पकड़िए।

इस अध्याय पर आपके अपने नोट्स

शिक्षक ने किस बात पर ज़ोर दिया, टेस्ट में कौन-सी गलतियाँ हुईं, कौन-से बिंदु बार-बार भूल जाते हैं।